हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 153 | देहरादून, शनिवार, 09 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

प्रथम सी डी एस जनरल विपिन रावत को नमन : मुख्यमंत्री 4

प्रधानमंत्री ने किया 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का उद्घाटन

उत्तराखंड में दिव्यता और विकास दोनों को एक साथ अनुभव करते हैं

- उत्तराखंड सरकार और भारत सरकार एक-दूसरे के प्रयासों को बढ़ा रहे हैं
- 'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर' वेड इन इंडिया' आंदोलन शुरू करें
- 'यही समय है, सही समय है, यह भारत का समय है' : प्रधानमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित 'उत्तराखंड वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023' का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और ग्राउंड ब्रेकिंग वॉल का अनावरण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सशक्त उत्तराखंड पुस्तक और ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज भी लॉन्च किया। शिखर सम्मेलन का विषय 'शांति से समृद्धि' है। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने देवभूमि उत्तराखंड में होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक होने के बारे में अपने कथन को याद किया। श्री मोदी ने कहा कि यह संतोष की बात है कि यह कथन जमीन पर साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने सिलक्यारा में सुरंग से श्रमिकों के सफल बचाव मिशन में शामिल राज्य सरकार और सभी लोगों की सराहना की।

उत्तराखंड के साथ अपने घनिष्ठ संबंध को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जहां दिव्यता और विकास एक साथ महसूस होता है। प्रधानमंत्री ने इस भावना को और विस्तार देने के लिए अपनी एक कविता सुनाई।

इस अवसर पर उपस्थित निवेशकों को उद्योग के दिग्गजों के रूप में संदर्भित करते हुए, प्रधान मंत्री ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए SWOT विश्लेषण की उपमा दी और राष्ट्र पर इस अभ्यास को करने पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि SWOT विश्लेषण के परिणाम देश में आकांक्षाओं, आशा, आत्मविश्वास, नवाचार और अवसरों की प्रचुरता का संकेत देंगे। उन्होंने नीति-संचालित शासन के संकेतकों और राजनीतिक स्थिरता के लिए नागरिकों के संकल्प का भी उल्लेख किया। प्रधान मंत्री ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "आकांक्षी भारत, अस्थिरता के बजाय एक स्थिर सरकार चाहता है" और रेखांकित किया कि लोगों ने सुशासन और उसके ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर मतदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड महामारी और अस्थिर भू-राजनीतिक परिदृश्य के बावजूद रिकॉर्ड गति से आगे बढ़ने की देश की क्षमता पर प्रकाश डाला। प्रधान मंत्री ने टिप्पणी की, "चाहे वह कोरोना वैक्सीन हो या आर्थिक नीतियां, भारत को अपनी क्षमताओं और नीतियों पर भरोसा था।" परिणामस्वरूप, दुनिया की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत आगे खड़ा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सहित भारत का हर राज्य इस ताकत का लाभ उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने डबल इंजन सरकार के लाभों को दोहराया जिसके दोहरे प्रयास हर जगह दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार जहां स्थानीय वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है, वहीं भारत सरकार उत्तराखंड में अभूतपूर्व निवेश कर रही है। सरकार के दोनों स्तर एक-दूसरे के प्रयासों को बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण इलाकों से चारधाम तक जाने के काम का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी ढाई घंटे की रह जायेगी। देहरादून और पंतनगर हवाई अड्डे के विस्तार से हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रदेश में हेली-टैक्सी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ किया जा रहा है। यह सब कृषि, उद्योग, लॉजिस्टिक्स, भंडारण, पर्यटन और आतिथ्य के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित स्थानों तक सीमित पहुंच प्रदान करने वाली पिछली सरकारों के दृष्टिकोण का खंडन करते हुए, प्रधान मंत्री ने उन्हें देश के पहले गांव के रूप में विकसित करने के लिए डबल इंजन सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का उल्लेख किया जहां उन गांवों और क्षेत्रों पर जोर दिया जा रहा है जो विकास मानकों में पीछे हैं। श्री मोदी ने उत्तराखंड की अप्रयुक्त क्षमता पर प्रकाश डाला और निवेशकों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए, जिसे डबल इंजन सरकार का लाभ मिला है, प्रधानमंत्री ने भारत के दौरे के लिए देश के साथ-साथ दुनिया भर के लोगों के उत्साह पर भी ध्यान दिया।

■ शेष खबर पेज 2 और 3 पर

उन्होंने पर्यटकों को प्रकृति के साथ-साथ भारत की विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से थीम आधारित पर्यटन सर्किट बनाने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि प्रकृति, संस्कृति और विरासत को अपने में समेटे उत्तराखंड एक ब्रांड के रूप में उभरने जा रहा है। उन्होंने निवेशकों से योग, आयुर्वेद, तीर्थ और साहसिक खेल क्षेत्रों में अवसर तलाशने और पैदा करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने देश के अमीरों, संपन्न लोगों और युवाओं से 'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर 'वेड इन इंडिया'आंदोलन शुरू करने की अपील की. उन्होंने उनसे अगले पांच वर्षों में उत्तराखंड में कम से कम एक विवाह समारोह आयोजित करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने किसी भी संकल्प को हासिल करने की भारत की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "अगर उत्तराखंड में एक साल में 5000 शादियां भी होती हैं, तो एक नया बुनियादी ढांचा तैयार हो जाएगा और राज्य को दुनिया के लिए एक विवाह स्थल में बदल देगा।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बदलाव की तेज हवा चल रही है. पिछले 10 वर्षों में एक आकांक्षी भारत का निर्माण हुआ है। पहले से वंचित आबादी के एक बड़े हिस्से को योजनाओं और अवसरों से जोड़ा जा रहा है। गरीबी से बाहर आए करोड़ों लोग अर्थव्यवस्था को नई गति दे रहे हैं। नव मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग दोनों अधिक खर्च कर रहे हैं "हमें भारत के मध्यम वर्ग की क्षमता को समझना होगा। उत्तराखंड में समाज की यह शक्ति आपके लिए एक बड़ा बाज़ार भी तैयार कर रही है",

प्रधानमंत्री ने हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड लॉन्च करने के लिए उत्तराखंड सरकार को बधाई दी और इसे उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास बताया। श्री मोदी ने कहा, "हाउस ऑफ हिमालयाज वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल की हमारी अवधारणा को और मजबूत करता है।" उन्होंने कहा कि भारत के हर जिले और ब्लॉक के उत्पादों में वैश्विक बनने की क्षमता है। प्रधान मंत्री ने ऐसे स्थानीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार की खोज के महत्व पर जोर दिया और निवेशकों से विभिन्न जिलों में ऐसे उत्पादों की पहचान करने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे महिला स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ के साथ जुड़ने की संभावनाएं तलाशने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, "स्थानीय-वैश्विक बनाने के लिए यह एक अद्भुत साझेदारी हो सकती है।" लखपति दीदी अभियान पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों से दो करोड़ लखपति दीदी बनाने के अपने संकल्प को रेखांकित किया और कहा कि हाउस ऑफ हिमालय के ब्रांड के लॉन्च के साथ इस पहल को गति मिलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए उत्तराखंड सरकार को भी धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय चरित्र को मजबूत करने के बारे में लाल किले से अपने आह्वान का जिक्र करते हुए प्रधान मंत्री ने सभी से आह्वान किया, "हम जो भी करें, वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए। हमारे मानकों का दुनिया को अनुसरण करना चाहिए।' हमें अब इस पर ध्यान केंद्रित करना है कि निर्यातोन्मुख विनिर्माण को कैसे बढ़ाया जाए।" उन्होंने नए निवेश द्वारा स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं और एमएसएमई को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।प्रधानमंत्री ने पोषण के नाम पर डिब्बाबंद भोजन के प्रति आगाह किया जबकि भारत मिलेट जैसे पौष्टिक भोजन में बहुत समृद्ध है। उन्होंने आयुष से संबंधित जैविक भोजन की संभावनाओं और उनके द्वारा राज्य के किसानों और उद्यमियों के लिए प्रदान किये जाने वाले अवसरों पर प्रकाश डाला। यहां तक कि डिब्बाबंद भोजन में भी, उन्होंने उपस्थित लोगों से स्थानीय उत्पाद को वैश्विक बाजारों तक पहुंचने में मदद करने के लिए कहा।संबोधन का समापन करते हुए, प्रधान मंत्री ने टिप्पणी की कि वर्तमान समय भारत, इसकी कंपनियों और इसके निवेशकों के लिए एक अभूतपूर्व समय है। उन्होंने कहा, "अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है", उन्होंने स्थिर सरकार, एक सहायक नीति प्रणाली, सुधार और परिवर्तन की मानसिकता और विकास में विश्वास के संयोजन को श्रेय दिया। "यही समय है, सही समय है। यह भारत का समय है", प्रधान मंत्री ने कहा और निवेशकों से उत्तराखंड के साथ चलने और इसकी विकास यात्रा में भाग लेने की अपील की।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देवभूमि उत्तराखण्ड में प्रदेश की समस्त जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि भारत में समय-समय पर अनेकों महापुरूषों ने मां भारती के मुकुट की शोभा बढ़ाने और समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य किया है। इनमें से कई ऐसी विभूतियां हैं जिनके बारे में हमने केवल सुना है, उन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा नहीं है, लेकिन जब हम आज प्रधानमंत्री की ओर देखते हैं तो हमें उन सभी महान विभूतियों का अंश उनमें दिखाई देता है। देश के पीएम जिस कठिन परिश्रम से भारत को पुनः विश्व गुरू बनाने के लिए प्रयत्नशील है वह एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों में आशा एवं विश्वास का बीज भी रोपित करता है। आज केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देश भी प्रधानमंत्री की सोच, उनकी रणनीति और उनके विचारों का अनुसरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात के सीएम रहते हुए ''वाईब्रेंट गुजरात'' नाम से इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन शुरू किया गया था, उसी से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने ''डेस्टिनेशन उत्तराखंड'' की थीम पर इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया है।

हमारी कोशिश रहेगी कि हर 02 वर्ष के अंतराल में इस समिट का आयोजन हो। "डेस्टिनेशन उत्तराखंड" का मुख्य उद्देश्य, ग्रीन इकोनॉमी और रोजगार को लेकर इकोलॉजी और इकोनॉमी के समन्वय द्वारा राज्य का समग्र विकास करना है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ढाई लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्तावों को प्राप्त करने का लक्ष्य था, अभी तक लक्ष्य से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर करार हो गये हैं। इनमें से अब तक 44 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, इससे प्रदेश में स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि एक निवेशक को अच्छा व्यावसायिक वातावरण, अच्छी कानून व्यवस्था, इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली नीतियाँ और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य और आबोहवा भी चाहिए, यह सब उत्तराखण्ड के पास है। उन्होने कहा कि उत्त्राखण्ड में गुजरात के ''महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर'' की भांति शीघ्र ही एक भव्य ''कन्वेंशन सेंटर'' का निर्माण किया जायेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में प्रत्येक साल करोड़ों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों का आतिथ्य सत्कार होता है। करीब सवा करोड़ की आबादी वाला हमारा राज्य हर साल लगभग सात करोड़ लोगों का कुशलता से प्रबंधन करता है, जो कि राज्य की उच्चकोटि की कानून व्यवस्था का प्रतीक है। राज्य में विभिन्न सैक्टर्स में ''निवेश मित्र'' की नियुक्ति की है, जो 5 करोड़ रूपये से अधिक के पूंजी निवेश करने वाले उद्यमियों के लिये ''सिंगल प्वाइंट आफ कॉटेक्ट'' होंगे। उत्तराखंड में जहां एक ओर परिवहन मार्गों का विस्तार हुआ है, वहीं अब नए एयरपोर्ट के विकास तथा रोपवे और हैलीपोर्टों के निर्माण द्वारा कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उत्तराखंड अपनी एक अलग पहचान बना रहा है।इस अवसर पर उद्योग जगत के नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अदानी समूह के निदेशक और प्रबंध निदेशक (कृषि, तेल और गैस) श्री प्रणव अदानी ने कहा कि हाल के दिनों में सिंगल प्वाइंट मंजूरी, प्रतिस्पर्धी भूमि की कीमतें, सस्ती बिजली और कुशल वितरण, अत्यधिक कुशल जनशक्ति और राष्ट्रीय राजधानी से निकटता और एक बहुत ही स्थिर कानून और व्यवस्था का माहौलके कारण उत्तराखंड निजी क्षेत्र के निवेश के लिए सबसे आकर्षक स्थलों में से एक बन गया है। श्री अदाणी ने राज्य में विस्तार करने और अधिक निवेश और नौकरियां लाने की अपनी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उत्तराखंड राज्य को लगातार समर्थन देने के लिए

■ शेष खबर पेज 3 पर

प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत के लोगों ने उनमें अभूतपूर्व विश्वास और भरोसा जताया है।जेएसडब्ल्यू के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल ने उत्तराखंड राज्य के साथ प्रधान मंत्री के संबंधों पर प्रकाश डाला, जिसे श्री जिंदल ने केदारनाथ और बद्रीनाथ की विकास परियोजनाओं के दौरान अनुभव किया था। उन्होंने देश की तस्वीर बदलने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना की और जीडीपी वृद्धि के मापदंडों और भारत के जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख किया। श्री जींदल ने भारत की वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में उनके नेतृत्व के लिए प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने देश भर के तीर्थ स्थलों तक कनेक्टिविटी में सुधार पर सरकार के जोर का भी उल्लेख किया। उन्होंने उत्तराखंड में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश लाने की कंपनी की योजना का विस्तार किया और नवंबर में शुरू की गई 'स्वच्छ केदारनाथ परियोजना' के बारे में भी बात की। उन्होंने उत्तराखंड सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और प्रधानमंत्री को भारत की विकास यात्रा में कंपनी के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।आईटीसी के प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने जी 20 शिखर सम्मेलन की सफलता को याद करते हुए प्रधानमंत्री की वैश्विक राजनीति कौशल और ग्लोबल स्टेट्समेनशिप की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई उद्देश्यपूर्ण नीतिगत पहलों ने भारत को बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने वाली दुनिया में अनुकूल स्थिति में ला दिया है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था में कई क्षेत्रों में बदलाव और जीडीपी के आंकड़े खुद बयां करते हैं। नेतृत्व ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां विश्व स्तर पर, यह दशक और, कुछ लोग कह रहे हैं, सदी भारत की है।पतंजलि के संस्थापक और योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रधानमंत्री को 'विकसित भारत' का स्वप्नदृष्टा और भारत के 140 करोड़ नागरिकों के परिवार का सदस्य बताया। उन्होंने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के प्रधान मंत्री के लक्ष्य पर प्रकाश डाला और निवेश लाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में पतंजलि के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को आने वाले समय में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश और 10,000 से अधिक नौकरियों का आश्वासन दिया। उन्होंने नये भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री के संकल्प और इच्छाशक्ति की सराहना की। उन्होंने राज्यों में कानून व्यवस्था बनाए रखने में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के प्रयासों की भी सराहना की और कॉर्पोरेट घरानों से राज्य में एक इकाई स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य के पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के विकास की भी सराहना की। उन्होंने निवेशकों से भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के प्रधानमंत्री के संकल्प को मजबूत करने की अपील की।एम्मार इंडिया के सीईओ कल्याण चक्रवर्ती ने देश के विकास के लिए दिशा, दृष्टि और दूरदर्शिता प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में भागीदार बनने के लिए कॉर्पोरेट जगत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने भारत-यूएई संबंधों में नई जीवंतता की ओर भी इशारा किया। एम्मार का मुख्यालय संयुक्त अरब अमीरात में है। श्री कल्याण चक्रवर्ती ने भारत के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में आए सकारात्मक बदलाव पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने जीएसटी और फिनटेक क्रांति जैसे कई नीतिगत सुधारों का उल्लेख किया जो औद्योगिक जगत के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं।टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस के अध्यक्ष आर दिनेश ने प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने उत्तराखंड की विकास गाथा में संगठन के योगदान का उल्लेख किया और टायर और ऑटो घटकों की विनिर्माण इकाइयों और लॉजिस्टिक्स और ऑटो क्षेत्र में सेवाओं का उदाहरण दिया। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र और भंडारण क्षमता में निवेश को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की योजनाओं का विस्तार किया, जिससे सभी पारिवारिक कंपनियों में 7,000 से अधिक नौकरियां पैदा हुईं। उन्होंने बदलते वर्तमान विश्व परिदृश्यों के कारण डिजिटल और स्थिरता परिवर्तन में वित्तीय सहायता और अपस्किलिंग प्रदान करके ऑटो मार्केट क्षेत्र में भागीदारों को संभालने के लिए कंपनी की तत्परता पर जोर दिया। सीआईआई के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने 1 लाख से अधिक लोगों को परामर्श और सहायता प्रदान करने के लिए 10 मॉडल कैरियर केंद्र स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड आतिथ्य, स्वास्थ्य देखभाल और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों को कवर करने वाले 10,000 लोगों को प्रशिक्षित करने की क्षमता वाला स्पेशलिटी मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने वाला पहला राज्य होगा।इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.), राज्य सरकार के मंत्रीगण, पूर्व मुख्यमंत्री गण, सांसदगण, विधायकगण और विभिन्न औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

इन्वेस्टर्स समिट के भव्य मंच से सीएम धामी का संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 9 दिसंबर , दो दिवसीय उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के उद्घाटन समारोह के आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे । इस दौरान PM मोदी ने पारम्परिक स्वागत का जहाँ आनंद लिया वहीँ उद्यमियों के प्रस्तावों पर ख़ुशी भी ज़ाहिर की। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना जोश और ज़ज़्बे से भरा जोरदार संबोधन दिया। आइये आपको बताते हैं इस भव्य मंच से सीएम धामी ने क्या कहा -

इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह में PM मोदी ने दी बधाई

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एवं सभी गणमान्यों का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। ये हमारा सौभाग्य है कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उस महान यात्रा के सहयात्री हैं जिस यात्रा का गन्तव्य भारत को परम वैभवशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा करना है। आज केवल भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व प्रधानमंत्री के सोच, उनकी रणनीति और उनके विचारों का अनुसरण करते हैं। हम भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए संकल्पित हैं।

सीएम ने कहा कि हमने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों के साथ 2.5 लाख करोड़ रुपए के MoU पर हस्ताक्षर का लक्ष्य रखा था मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि, हमने अपने लक्ष्य से अधिक निवेश के प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए हैं।

अभी तक 44,000 करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतार दिया है। इससे लाखों रोजगारों का सृजन होगा।

अडानी ग्रुप , पतंजलि जिंदल ग्रुप सहित सभी बड़े इन्वेस्टर्स पहुंचे

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर डबल इंजन का मजबूत इरादा और दूसरी ओर संभावनाओं से भरा हुआ उत्तराखण्ड। इससे बेहतरीन कॉम्बिनेशन शायद ही कहीं मिले। आपका निवेश आपके लिए शुभ और मंगलकारी हो मैं इसके लिए आपको शुभकामनाएं देता हूँ। प्रधानमंत्री मोदी भारत को पुनः विश्वगुरु

बनाने के लिए जिस प्रकार कठिन परिश्रम कर रहे हैं, उससे केवल मेरे जैसे सामान्य व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सभी भारतवासियों के मन में और अधिक परिश्रम करने के लिए आशा और विश्वास का बीज भी रोपित होता है। भाई-बहनों, डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड का मुख्य उद्देश्य इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए राज्य का चतुर्दिक विकास और अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराना है।

पीएम मोदी ने वेड इन इंडिया का दिया नया संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , भव्य आयोजन , अद्भुत लक्ष्य और युवा मुख्यमंत्री के संकल्प को सिद्ध करने देहरादून पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल समिट के मंच तक पहुँचने से रोड शो किया और डेलिगेट्स और देश की जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वो राज्य है, जहां आपको देवत्व और विकास दोनों का अनुभव एक साथ होता है। और मैंने तो उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं को निकट से देखा है। मैंने उसे जिया है, अनुभव किया है।

अडानी समूह , जिंदल समूह , पतंजलि और देश भर के बड़े उद्योगपतियों को सीधे पीएम मोदी ने कहा कि अपने परिवार की एक शादी उत्तराखंड में डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में ज़रुर कीजिये उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वह राज्य है, जहां हम दिव्यता और विकास को एक साथ अनुभव कर सकते हैं। देवभूमि यहां होने वाले निवेश के नये द्वार खोलने की क्षमता रखती है। आज देश में नीति-संचालित शासन और राजनीतिक स्थिरता है। पीएम मोदी ने हाल में जारी हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के

नतीजों पर कहा कि लोगों ने मजबूत सरकार चुनी है। लोगों को स्थिरता पसंद हैं। जनता अब स्थिर सरकार चुनती है।

डेस्टिनेशन उत्तराखंड के स्लोगन को सिद्ध करते हुए उन्होंने कहा कि देश के धन्ना सेठ, अमीरों से कहना चाहता हूं कि जब भगवान जोड़ियां बनाते हैं तो आप लोग भगवान के चरणों के बजाय बाहर विदेश में जाकर क्यों शादी करते हो? युवाओं को वेड इन इंडिया मूवमेंट चलाना चाहिए। यहां शादी समारोह करेंगे तो यहां विकास होगा। डेस्टिनेशन वेडिंग उत्तराखंड में करिए।

वह बोले, 'एक बार तो मैं बाबा केदारनाथ के दर्शन करने गया था तो मेरे मुंह से यूँ ही निकला था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। आज युवा धामी सरकार द्वारा इसे अपने सामने घटित होते देखकर मुझे खुशी हो रही है। उत्तराखंड के इस विकास में योगदान देकर मुझे खुशी हो रही है। ईस दौरान पीएम ने सफल टनल अभियान के लिए राज्य सरकार और बाकी सभी का धन्यवाद भी किया।

लो जी अब एक दिन में होंगे 25 घंटे !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , एक दिन 24 घंटे का होता है। दिलचस्प बात यह है कि हमेशा ऐसा नहीं होता था। कभी-कभी एक दिन में 24 घंटे से भी कम समय होता था। अब वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक दिन में 25 घंटे हो सकते हैं। ऐसा होने की प्रबल सम्भावना है। इसका कारण पृथ्वी के घूमने की प्रवृत्ति है। यह दावा टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख (टीयूएम) ने किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य में एक दिन में घंटों की संख्या बढ़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, बदलाव ऐसा नहीं है कि सब कुछ एक ही दिन में हो जाएगा। ये धीरे-धीरे होगा।

वैज्ञानिकों को यह कैसे पता चला ? Earth Science

संस्थान पृथ्वी के बारे में डेटा प्राप्त करने के लिए एक विशेष प्रकार के उपकरण का उपयोग कर रहा है। इसे रिंग लेजर कहते हैं। इसका काम पृथ्वी के घूमने के पैटर्न और गति को मापना है। यह इतनी सटीकता से काम करता है कि पृथ्वी की गति में होने वाले छोटे-बड़े बदलावों का भी आसानी से पता लगा लेता है।वैज्ञानिकों का कहना है कि ठोस और तरल जैसी चीजें पृथ्वी के घूमने की गति को प्रभावित करती हैं। ये परिवर्तन

वैज्ञानिकों को नई जानकारी प्रदान करते हैं और अल नीनो जैसे मौसम संबंधी परिवर्तनों के प्रभावों को समझने में मदद करते हैं।

क्यों बढ़ेंगे घंटे?

रिपोर्ट में कहा गया है, लेजर रिंग एक जाइरोस्कोप है, जो धरती से 20 फीट नीचे एक विशेष दबाव वाले क्षेत्र में होता है। यहां से निकलने वाली लेजर पृथ्वी के घूमने की गति में होने वाले बदलाव को तुरंत पकड़ लेती है। यहां से वैज्ञानिकों ने घंटे बढ़ाए जाने की संभावना पर अपनी मुहर लगा दी है। पृथ्वी से जुड़ा ऐसा डेटा निकालना आसान नहीं था। खगोलविदों का दावा है कि भले ही आज 24 घंटे का दिन है, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। डायनासोर के युग में एक दिन में 23 घंटे होते थे। एबीसी की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उस युग में चंद्रमा पृथ्वी से थोड़ा करीब हुआ करता था।

प्रथम सी डी एस जनरल विपिन रावत को नमन : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत के प्रथम सी डी एस जनरल विपिन रावत की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर देहरादून के कनक चौक पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की । इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश के प्रथम रक्षा प्रमुख, उत्तराखंड के वीर सपूत जनरल बिपिन रावत देश का गौरव थे । सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने चार दशकों तक मातृभूमि की रक्षा मे निस्वार्थ सेवा की । उन्हें सदैव असाधारण वीरता तथा साहस के लिए याद किया जाएगा ।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थित भूतपूर्व सैनिको से मुलाक़ात की तथा उनसे बातचीत की ।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी उपस्थित थे ।

कैंसर से जंग लड़ रहे कॉमेडियन जूनियर महमूद का निधन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , बॉलीवुड इंडस्ट्री से बुरी खबर है। स्टेज 4 कैंसर से जूझ रहे कॉमेडियन जूनियर महमूद का निधन हो गया है। वे 67 साल के थे। डॉक्टरों से कह दिया था कि वह कुछ दिनों के मेहमान है। कहा जा रहा है कि कैंसर होने की जानकारी जूनियर महमूद को इसी साल पता चली थी। दोस्त सलाम काजी ने जूनियर महमूद के निधन की पुष्टि की है। हाल में उनसे मिलने गुजरे जमाने के एक्टर जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर भी पहुंचे थे। जितेंद्र को देखकर वे काफी इमोशन हो गए थे। कॉमेडियन जॉनी लीवर के साथ उनका वीडियो भी वायरल हुआ था।

जूनियर महमूद के दोस्त सलाम काजी ने जानकारी देते हुए बताया कि महमूद के लंग्स और लीवर में कैंसर था। इसके साथ ही आंत में ट्यूमर होने की बात भी सामने आई थी। सलाम काजी ने बताया था कि डॉक्टर्स का कहना था कि उनका कैंसर चौथी स्टेज पर था और इसी वजह से उनकी सेहत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही थी। कुछ दिनों से वह लाइफ सपोर्ट सिस्मट पर थे। बता दें कि जूनियर महमूद के निधन की खबर सुनकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर है। कई सेलेब्स ने शो जताते हुए श्रद्धांजलि दी है।

बॉलीवुड फिल्मों और टीवी शोज में किया था जूनियर महमूद ने काम

जूनियर महमूद ने अपने करियर में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम शुरू किया था। उन्होंने तकरीबन 200 से ज्यादा फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलाव दिखाया था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1967 में आई फिल्म नौनिहाल से की थी। उनकी कॉमेडी ने सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने परिवार, कारवां, हंगामा, खोज, आपकी कसम, ब्राह्मचारी, फरिश्ता, विश्वास, प्यार ही प्यार, दो रास्ते, कटी पतंग, घर घर की कहानी, आन मिलो सजना, खून का कर्ज, कर्ज चुकाना है, जुदाई जैसी कई फिल्मों में काम किया था। वे कुछ टीवी सीरियलों में भी नजर आए थे। इतना ही नहीं उन्होंने 6 मराठी फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया था।

जाम हो रहे कंधों के लिए एक्सपर्ट ने बताई एक्सरसाइज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , कंधे दर्द होना एक बहुत ही कॉमन प्रॉब्लम है। इस समस्या का सामना रैगुलर वर्कआउट, ड्राइविंग करने वाले या लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठने वालों को ज्यादा करना पड़ता है। इससे जुड़ी एक और समस्या है फ्रोजन शोल्डर की। इसमें कंधे की मांसपेशियां कठोर होकर सूज जाती हैं, जिससे इन्हें हिलाना डुलाना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो हाथ तक उठाने में दिक्कत आती है। इस दर्द को मेडिकल टर्म में एडहेसिव कैप्सूलाइटिस कहते हैं। यह दर्द इतना गंभीर होता है कि कंधे को जाम कर देता है। आमतौर पर कंधे की मालिश या आईस पैक लगाकर लोग इसका इलाज कर लेते हैं, लेकिन नेचुरोपैथी और योगा एक्सपर्ट ने कंधे के दर्द को दूर करने के लिए कुछ एक्सरसाइज बताई हैं। जिन्हें आप घर या ऑफिस में काम करते हुए भी कर सकते हैं।

शोल्डर मूवमेंट

एक्सपर्ट बताते हैं कि फ्रोजन शोल्डर की समस्या से बचने के लिए सही पॉश्चर में बैठना जरूरी है। कंधों को झुकाकर बैठने से इन पर ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे ये सूज जाते हैं। अगर आपको अचानक से कंधे में दर्द होने लगे, तो एक जगह पर बैठे -बैठे ही अपने कंधों को 5 बार आगे और 5 बार पीछे मूव करें। इससे दर्द बहुत जल्दी दूर हो जाएगा।

- कंधों में दर्द आम समस्या है।
- एक ही पोजीशन से होता है फ्रोजन शोल्डर
- शोल्डर मूवमेंट करें
- बैक एंड फ्रंट स्ट्रेचिंग से मिलेगा आराम

बैक एंड फ्रंट स्ट्रेचिंग

इस एक्सरसाइज में अपने दोनों कंधों को पहले पीछे और फिर आगे की तरफ स्ट्रेच करें। ऐसा आपको 10-10 बार करना है।

शोल्डर प्रेस

कंधों में दर्द से राहत के लिए अपने हाथ से कंधों को प्रेस करें। इसे कंधों को मसाज देना भी कहते हैं। डॉक्टर के अनुसार, जब भी आपको फ्रोजन शोल्डर की समस्या महसूस हो, तो आप इसे कर सकते हैं। कुछ ही देर में आपको आराम मिल जाएगा।

कानों में ईयरफोन्स लगाकर घूमने वाले जान लें ये बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , ईयरफोन्स म्यूजिक, पॉडकास्ट और दूसरे कंटेंट सुनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं. हालांकि, ये बेहद जरूरी होता है कि इन्हें इस्तेमाल करते वक्त कानों को सुरक्षित रखा जाए. क्योंकि, लगातार ईयरफोन्स का इस्तेमाल करने से बहरेपन का खतरा बढ़ जाता है. साथ ही कई और सावधानियां भी रखनी होती है. हम आपको यहां ऐसी ही कुछ सावधानियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको रखनी जरूरी है.आज के दौर में ईयरफोन्स का इस्तेमाल वायरलेस होने की वजह से और भी ज्यादा बढ़ गया है. लोग जिम में कसरत करते हुए, ट्रैवल करते हुए या काम करते हुए भी घंटों ईयरफोन्स का इस्तेमाल करते हैं. इससे न सिर्फ बहरेपन बल्कि और भी कई बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है. ईएनटी स्पेशलिस्ट ने बताया कि ईयरफोन्स जैसी टेक्नोलॉजी से जुड़ी चीजों से सुविधा तो मिलती है. लेकिन, इनके ज्यादा इस्तेमाल से बीमारियां भी बढ़ रही हैं. डॉक्टर

कहते हैं कि ईयरफोन्स का इस्तेमाल इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि यदि कोई व्यक्ति फोन पर बात करता है तो वह 10 मिनट करता है. क्योंकि फोन को पकड़कर रखना होता है. लेकिन, हेडफोन में व्यक्ति 30 से 40 मिनट भी आसानी से बात कर लेता है.

ईयर कैनल पर पड़ता है असर

डॉक्टर बताते हैं कि उनके पास आए दिए ऐसे मरीज आते हैं जिन्हें या तो ऊंचा सुनने की आदत हो गई है या वे बहरे हो गए हैं. ये दिक्कत केवल व्यस्कों तक सीमित नहीं है. बल्कि बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं. डॉक्टर के मुताबिक हियरिंग सेल्स की सेंसिटिविटी खत्म होने से सिर्फ बहरापन का ही खतरा नहीं होता बल्कि कानों में गूंजती तेज आवाज से ईयर कैनल पर भी असर पड़ता है और इससे चक्कर भी आ सकते हैं. कानों में तेज दर्द भी हो सकता है.

इन्फेक्शन से लेकर दिमाग खराब होने तक का है खतरा

इसी तरह अगर ईयरफोन्स का इस्तेमाल करते वक्त हाइजीन का ख्याल न रखा जाए तो इसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं और इनफेक्शन हो सकता है. इतना ही नहीं लोगों को ज्यादा देर तक ईयरफोन्स का इस्तेमाल करने से नींद में बड़बड़ाने की समस्या भी हो सकती है. ब्रेन सेल्स कमजोर हो सकती हैं और दिमाग पर असर भी पड़ सकता है.

पहली बार बिगुल बजाएंगी तीन महिला कांस्टेबल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , वैसे तो बेटियां आसमान तक नाप रही हैं। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा, जहां बेटियों ने काबिलियत का डंका नहीं बजाया हो। बावजूद इसके कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहां बेटियां अब शुरूआत कर रही हैं। हो सकता है, अन्य राज्यों की पुलिस में महिला बिगुलर हों, लेकिन हिमाचल प्रदेश पुलिस के इतिहास में पहली बार तीन महिला बिगुलर शामिल होने जा रही हैं। महिला आरक्षियों को पीटीसी डरोह में प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षित होने के बाद गार्ड ऑफ ऑनर या फिर अन्य समारोहों में लेडी कांस्टेबल बिगुल बजाती नजर आएंगी।

पांचवी आईआरबी बटालियन बस्सी की शिवानी, श्वेता व निशु बिगुलर कोर्स कर रही हैं। रोचक बात ये है कि तीन महिला आरक्षियों से प्रभावित होकर अन्य भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लैंगिक समानता व समावेशिता के प्रति पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता में ये कदम एक मील का पत्थर साबित होगा। हिमाचल पुलिस के बिगुलर की भूमिका में पुरुषों का ही आधिपत्य रहा है। चूंकि बिगुल को बजाने के लिए फेफड़ों की शक्ति, गहरी सांस, शारीरिक व मानसिक नियंत्रण की आवश्यकता होती है, यही कारण रहा होगा कि पुरुषों को ही अधिमान मिलता रहा। सेना में भी बिगुल के इस्तेमाल के कई मायने हैं।

बिगुल बजाने वाले पुलिस के साथ-साथ सेना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परेड व अन्य कार्यक्रमों में बिगुल ही संकेतक के तौर पर माना जाता है। मधुर धुन एक जुड़ाव पैदा करती है। आपको बता दें सूर्योदय व सूर्यास्त के वक्त राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में बिगुल अनिवार्य रहता है। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने एक्स पर तस्वीरें साझा की हैं। पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने कहा कि पुलिस बल में महिला बिगुलर्स को शामिल करना न केवल विविधता, बल्कि लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने का भी प्रयास है। पुलिस महानिदेशक ने महत्वपूर्ण पहल के लिए पुलिस व प्रशिक्षण महाविद्यालय डरोह के प्रधानाचार्य डीआईजी विमल गुप्ता को बधाई दी है।

ये है मशीनों का कब्रिस्तान जहां दफन हैं उपग्रह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने उस विशाल कब्रिस्तान के बारे में सुना होगा, जिसमें लाखों लोग दफन हैं, लेकिन क्या आपने सुना है कि मशीनों का भी कब्रिस्तान होता है? दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां उपग्रह दफन हैं। ये वो सैटेलाइट हैं, जो अंतरिक्ष में अपना मिशन पूरा कर चुके हैं। इसके बाद उन्हें फेंक दिया जाता है। अब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) को भी दफनाने की योजना है, जो अगले कुछ वर्षों में अपनी सेवा से रिटायर होने वाला है।

आम आदमी की पहुंच से बाहर प्वाइंट निमो

हम बात कर रहे हैं प्रशांत महासागर में स्थित प्वाइंट निमो की, जिसे 'उपग्रहों का कब्रिस्तान' कहा जाता है। यह क्षेत्र आम आदमी की पहुंच से बाहर है। निकटतम भूभाग भी 1,670 मील या 2,700 किलोमीटर दूर है। इस जगह तक पहुंचने के लिए समुद्र पार करने में आपको कई दिन लग जाएंगे। कहा जाता है कि इस क्षेत्र में कई छोटे-छोटे द्वीप हैं, जहां पक्षियों के अलावा कोई अन्य जीव नहीं रहता है। लाइव साइंस के मुताबिक समुद्र के पानी से घिरा यह इलाका ईस्टर द्वीप के दक्षिण में और अंटार्कटिका के उत्तर में स्थित है। यह क्षेत्र 13,000 फीट से अधिक पानी में डूबा हुआ है। इंसानों की पहुंच से दूर इस क्षेत्र को 'पहुंच का ध्रुव' भी कहा जाता है।

अब तक कितने उपग्रह दफनाए गए हैं?

रिपोर्ट के मुताबिक, 70 के दशक से लेकर अब तक प्वाइंट निमो में 300 से ज्यादा सैटेलाइट और स्पेस स्टेशन दबे हुए हैं। ये सैटेलाइट दुनिया के अलग-अलग देशों से जुड़े हैं. हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने घोषणा की है कि वे इसी जगह पर आईएसएस को भी दफनाएंगे।आईएसएस पिछले 25 वर्षों से अंतरिक्ष में है, जिसे 2031 तक आधिकारिक तौर पर सेवामुक्त कर दिया जाएगा। 357 फीट लंबा और 4,19,725 किलोग्राम वजनी यह अंतरिक्ष स्टेशन प्वाइंट निम्मो में दफन किया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा अंतरिक्ष उपकरण होगा।

मस्जिदों से जूते चुरा कर ऑनलाइन बेचता था शख्स, गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , क्या आप यकीं करेंगे कि कोई जूता चोर ऑनलाइन उसको बेचने का धंधा करता है ? भारत में मंदिरों से जूते चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं है लेकिन बदहाल ए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित ओकारा जिले में एक व्यक्ति को कई मस्जिदों से जूते चुराने और उन्हें ऑनलाइन बेचने के आरोप में भीड़ ने पकड़ लिया, जिसके बाद उसकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी यासिर से पुलिस पूछताछ कर रही है। देपालपुर पुलिस के अनुसार आरोपी यासिर के मोबाइल रिकॉर्ड से मस्जिदों से जूते चुराने और उन्हें ऑनलाइन बेचने में उसकी संलिप्तता की पुष्टि हुई है।

उन्होंने कहा कि संदिग्ध आरोपी ब्रांडेड जूते चुराता था और उन्हें वॉट्सऐप के जरिए बेचता था। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध एक प्रभावशाली परिवार से है। इस बीच देपालपुर के डीपीओ मंसूर अमन ने घटना पर संज्ञान लिया और मामले की जांच के आदेश दिए।

जुमे की नमाज के दौरान अक्सर जूते होते हैं चोरी

पाकिस्तान में मस्जिदों से जूते चोरी होना आम बात है। वहां अक्सर जुमे की नमाज के वक्त ज्यादा भीड़ होने की वजह से मस्जिद से जूते चोरी किए जाते हैं। 4 साल पहले लाहौर में नमाज के दौरान मस्जिद के बाहर से 1 लाख रुपए मूल्य के एक जोड़ी जूते चोरी हो गए थे। लाहौर पुलिस के मुताबिक शीराज बशीर नाम का शख्स गंगा राम अस्पताल के पास स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। नमाज के बाद उसके जूते चोरी हो गए हैं। हालांकि काफी ढूंढने के बाद भी उसके जूते नहीं मिले।

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में फ़िल्म निर्माण क्षेत्र में निवेश हेतु जिंदल प्रोडक्शन प्रा. लि.द्वारा फ़िल्म ट्रैनिंग इंस्टीट्यूट एन्ड प्रोडक्शन रिसर्च की स्थापना हेतु एमओयू किया गया। एमओयू पर उत्तराखंड फ़िल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एव महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी एव जिंदल प्रोडक्शन के सीएमडी आर. के.जिंदल द्वारा किये गए।

अब RIGS की जरूरत नहीं, पल भर में भेजें 5 लाख तक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 दिसंबर , भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने अस्पतालों में इलाज और शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) के जरिये भुगतान की सीमा एक बार में एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी है. आरबीआई गवर्नर (RBI Governor) शक्तिकांत दास (ShaktiKant Das) ने शुक्रवार को मॉनिटरी पॉलिसी मीटिंग में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए यूपीआई लिमिट बढ़ाने का ऐलान किया. आरबीआई के नए फैसले के बाद हॉस्पिटल और शिक्षा संस्थानों में अब यूपीआई की मदद से ज्यादा पेमेंट किया जा सकेगा.

गौरतलब है कि देश में यूपीआई के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लगातार प्रयासरत रहा है केंद्रीय बैंक के उठाए कदमों की वजह से हर महीने यूपीआई ट्रांजेक्शन की संख्या लगातार बढ़ रही है. आरबीआई ने यूपीआई में ऑफलाइन ट्रांजेक्शन से लेकर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दिया है. आसान और जल्द भुगतान होने की वजह से आम से लेकर खास आदमी की बीच यूपीआई खूब लोकप्रिय हुआ है.

हॉस्पिटल और शिक्षा संस्थानों को होगा फायदा : आरबीआई के नए नियमों के अनुसार, अब स्कूल-अस्पताल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों में यूपीआई यूजर्स प्रति ट्रांजेक्शन एक लाख के बजाय 5 लाख रुपये तक का भुगतान यूपीआई के माध्यम से कर सकेंगे. इस फैसले से इन संस्थानों में यूपीआई के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा. अस्पतालों के बिल और स्कूल-कॉलेजों फीस जमा करने में होने वाली असुविधा कम हो जाएगी.

ऑटो पेमेंट सीमा बढ़ाने का भी प्रस्ताव

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने आज घोषणा की कि उसने विशिष्ट लेनदेन के लिए UPI ऑटो पेमेंट की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. घोषणा के अनुसार जब UPI ऑटो- पेमेंट किया जाता है तो अतिरिक्त फैक्टर ऑथेंटिथेंकेशन (AFA) की आवश्यकता होती है. फिलहाल यह AFA तब लागू होता है जब 15,000 रुपये से अधिक की राशि के लिए ऑटो-पेमेंट किया जाता है. इस प्रस्ताव के अनुसार, केवल म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन, बीमा प्रीमियम सब्सक्रिप्शन और क्रेडिट कार्ड रीपेमेंट के लिए इस सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जा रहा है.

चमोली में योजनाओं के छूटे हुए लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली में विकसित भारत संकल्प यात्रा का वाहन जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को गांव गांव जाकर जागरुक कर रहा है। इसी कड़ी में देवाल के सवाड, थराली के सुनाऊ मल्ला, नारायणबगड के बैनोली, गैरसेंण के लखेडी, कर्णप्रयाग के मजखोला, पोखरी के मसोली, नन्दानगर के सरपाणी तथा जोशीमठ के लांमबगड में संकल्प यात्रा के माध्यम से केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गयी।शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और योजनाओं के छूटे हुए लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ दिलायी गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाकर 110 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गयी।इस दौरान शिविर में 5 आयुष्मान कार्ड

बनाए गए और पीएम किसान सम्मान के 6, पीएम आवास के 18 तथा उज्ज्वला के 4 भरे गए। आगामी 10 दिसंबर को थराली के तलवाडी स्टेट व सेरा विजयपुर, नारायणबगड के गडसीरा व भगोती, पोखरी के उत्तरों व गिरसा, कर्णप्रयाग के झिरकोटी, कांडा, भटोली लगा गैरोली, नन्दानगर के फाली व बिजार, गैरसेंण के सुमेरपुर, भलसों व आगर तथा दशोली के खेनुडी व गोलिम में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

देहरादून का ट्रांसपोर्ट व्यवसाय खतरे में : धस्माना

■ देहरादून ट्रक ऑपरेटर यूनियन कार्यालय के जीर्णोधार का शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , देहरादून में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय लगातार रसातल की ओर जा रहा है, देहरादून में अनेक बड़े उद्योग बन्द हो गए और जो उद्योग बचे हैं उनके माल का लदान ढुलान बाहर की गाड़ियों के द्वारा किया जा रहा है और ऐसा ट्रक ऑपरेटरों की एकता न होने के कारण हो रहा है यह बात देहरादून ट्रक ऑपरेटर यूनियन के संकरक्षक व उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने यूनियन के पूर्वी पटेलनगर स्थित कार्यालय के जीर्णोधार के शुभारंभ के अवसर पर एकत्रित यूनियन पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि देहरादून में अगर ट्रक ऑपरेटरों को ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को लाभकारी बनाना है तो सबसे पहले ट्रांसपोर्टर्स को एकता का परिचय देना होगा और फिर ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को बचाने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि आज ट्रांसपोर्ट व्यवसाय कर रहे लोगों के सामने नो एंट्री से लेकर पुलिस व आरटीओ के उत्पीड़न जैसी समस्याएं आये दिन सामने आती हैं उन से निपटने के लिए यूनियन का मजबूत होना जरूरी है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूनियन के प्रधान हरभजन सिंह ने कहा कि देहरादून में प्रशासन ने नैशनल हाई वे पर भी 12 से 14 घण्टों के नो एंट्री लगा दी है जो सर्वथा अनुचित है । इस संबंध में यूनियन शीघ्र प्रशासन से बातचीत करेगी। कार्यक्रम में यूनियन के सचिव दिनेश नागपाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार गुलजार सिंह, उपाध्यक्ष राजेन्द्र धवन, सरदार जसविंदर सिंह मोठी, योगेश गंभीर मोहिंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

निबिया खेड़ा ब्रिक टेम्पल पर बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , फिल्म पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 6वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 3 दिवसीय आयोजन कमिश्नरी सभागार वाराणसी में संपन्न हुआ । उत्तर प्रदेश सरकार.पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उ .प्र. तथा आईआईएमसी के तत्वावधान में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में 115 देशों से 3212 फिल्मों की प्रविष्टियाँ आयी । जिसमें से 45 देशों से 94 शॉर्ट फिल्मों को सेलेक्ट किया गया ।

ज्यूरी कमेटी ने 7 फाइनल डाक्यूमेंट्री व शार्ट फिल्मों को पुरस्कार हेतु चयनित किया जिसमें कानपुर की 9-10 शताब्दी के ब्रिक टेम्पल पर गौरव प्रकाश वर्मा के निर्देशन में सक्रिप्ट राइटर प्रियंका वर्मा व अधिराज प्रकाश द्वारा प्रोड्यूस्ड डाक्यूमेंट्री फिल्म ₹निबिया खेड़ा ₹ को ' बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म' कैटेगरी का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख़्तार अब्बास नक़वी व निर्णायक मंडल में प्रमुख रुप से निर्माता निर्देशक प्रकाश झा

, देवासी राय अभिनेत्री, सुधीर पांडे अभिनेता, अश्विनी अय्यर तिवारी निर्देशक, रूमी जाफरी निर्देशक लेखक, मनीष तिवारी निर्माता निर्देशक, मधुरिमा तुली अभिनेत्री और मॉडल, वरुण शेट्टी निर्माता, सौम्या टंडन अभिनेत्री, विनोद गनात्रा निर्माता निर्देशक,अशोक कुमार बर्मन आईएएस,आर के रावत, उप निदेशक पर्यटन मंत्रालय उत्तर प्रदेश सरकार,आईआईएमसी चेयरमैन देवेंद्र खंडेलवाल आदि थे !

संपादकीय

क्यों महंगी खाने की थाली

बशक दूसरी तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर 7.5 फीसदी से अधिक रही है। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन का आकलन है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 (31 मार्च तक) के वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यदि चार साल की औसत विकास-दर को देखें, तो वह 4.5 फीसदी के करीब है। विकास-दर के अपने-अपने दावे किए जाते रहेंगे, लेकिन देश के आम आदमी के खाने की थाली अब भी महंगी है और यह महंगाई बढने के आसार हैं। आटा 16 फीसदी, चावल करीब 15 फीसदी, चीनी करीब 11 फीसदी और तुअर दाल 16 फीसदी से अधिक महंगी हुई है। इन वस्तुओं के थोक के दाम जो भी हैं, लेकिन खुदरा बाजार में मनमानी चल रही है। दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था पर निगाह रखने वाली एजेंसी 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) एवं कुछ सरकारी एजेंसियों की ताजा रपट के निष्कर्ष हैं। आने वाले तीन माह के दौरान भी इन खाद्यान्नों के दाम 14.55 फीसदी बढ़ सकते हैं। बीते 6 महीने के दौरान आटा, दाल, चावल और चीनी के दाम औसतन 14 फीसदी बढ़े हैं। सत्ता के पैरोकारों की दलील रही है कि देश के 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को तो 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत मुफ्त 5 किलो माहवार अनाज मुहैया कराया जाता है, लिहाजा खाद्यान्न के प्रति आम आदमी निश्चिंत हो सकता है। ऐसे में आम आदमी अपनी आमदनी को किसी और वस्तु तथा सेवा में खर्च कर सकता है। सरकारी पैरोकारों ने ये दलीलें 13.5 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकालने के संदर्भ में दी हैं। गरीबी का मुद्दा तो आज भी विवादास्पद है, क्योंकि ऐसा आकलन करने वाले बौद्धिक, सामाजिक वर्ग के जिम्मेदार लोग हैं, जो आज भी 23.5 करोड़ भारतीयों को 'गरीबी-रेखा' के तले मानते हैं, क्योंकि वे गरीब 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बहरहाल इस मुद्दे का विश्लेषण फिर कभी किया जा सकता है, लेकिन गरीबी और खाद्यान्न की लगातार महंगाई के आपसी गहरे संबंध हैं। यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि अर्थव्यवस्था के विकास के बावजूद आम खाने की थाली महंगी क्यों होती रहती है? फिलहाल महंगे दामों के बुनियादी कारण कमजोर मानसून, किसानों का दूसरी फसलों की तरफ शिफ्ट होना और ज्यादा गर्मी से उत्पादन प्रभावित माने जा रहे हैं। क्या हम आज भी मौसम पर आधारित कृषि के भरोसे हैं? कृषि की विकास-दर घटकर 1 फीसदी से कुछ ज्यादा तक क्यों लुढक़ आई है? कोरोना-काल में भी कृषि की विकास-दर 3 फीसदी से अधिक रही थी। केंद्र सरकार ने दामों को नियंत्रित करने के मद्देनजर साल भर अपने भंडारों से गेहूं निकाल कर खुले बाजार में बेचा है। नतीजतन गेहूं के भंडारण 2.39 करोड़ टन ही बचे हैं। यह बीते साल के 3.77 करोड़ टन से कम है। यानी सरकारी भंडारों में गेहूं करीब 37 फीसदी कम हो गया है। यह भी आकलन किया गया है कि भारत सरकार रूस से, पहले चरण में, 10 लाख टन गेहूं का आयात कर सकती है। गेहूं और चावल के उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान का देश रहा है। फिर भी गेहूं की कमी का मुद्दा सवालिया है। सिर्फ गेहूं ही नहीं, चावल, दाल, गन्ना आदि का उत्पादन भी, बीते सालों की तुलना में, कम रहा है। क्या भारत किसी संभावित खाद्य-संकट की ओर बढ़ रहा है? सीएमआईई की रपट के मुताबिक, गन्ने की फसल से 3.32 करोड़ टन इस बार एथेनॉल में शिफ्ट होने के कारण चीनी के दाम बढ़ेंगे। महंगे दामों का असर किसी भी चुनाव पर देखने में नहीं आया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पहाड़ से पलायन और बेरोजगारी के समाधान में भागीदार बनेंगे निवेशक : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 दिसंबर , डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - 2023 ''मैन्युफैक्चरिंगः की इंजन ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ'' विषय पर आयोजित सेक्टोरल सेशन में उत्तराखण्ड में उद्यम स्थापित कर चुके उद्यमियों और निवेश के इच्छुक नये उद्यमियों तथा उनके प्रतिनिधियों द्वारा आज अपने-अपने अनुभव, विचार और सुझाव साझा किये। सेशन की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखण्ड के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उद्यमियों का स्वागत करते हुए बताया कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विभिन्न सैक्टर में अनेक अवसंचनात्मक सुधार किये गये हैं, और किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अनेक पुरानी नीतियों में समय सापेक्ष बदलाव किये हैं तथा विभिन्न उद्यमियों और निवेशकों के सुझावों के आधार पर अलग-अलग क्षेत्रों में अभिनव पॉलिसी भी लाई है। उन्होंने कहा कि हम सभी निवेशकों का उत्तराखण्ड की दो सर्वप्रमुख ज्वलंत समस्याओं, पहाड़ से हो रहे पलायन और बेरोजगारी के समाधान में भागीदार बनाना चाहते हैं।

इस दौरान सचिव उद्योग विनय शंकर पाण्डेय ने सभी निवेशकों का स्वागत करते हुए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को आकर्षक निवेश स्थल के रूप में स्थापित करने के लिये किये गये विभिन्न सुधारों से अवगत कराया। आखिर हर कोई उत्तराखण्ड में क्यों निवेश करना चाहता है, इसके कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हाल ही में विभिन्न क्षेत्रों में 27 नई नीतियां लाई गई है, पुराने एमएसएमई नीति में संशोधन किये गये हैं तथा अनेक सेक्टर में अंब्रैला पॉलिसी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में सस्ता और आसानी से कर्मठशील श्रमबल उपलब्ध है, यहां लेबर डिस्प्यूट से संबंधित मामले भी नहीं है तथा सरकार बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने पर युद्धस्तर पर कार्य कर रही है।

सेशन के दौरान उद्यमियों और निवेशकों द्वारा अपने अनुभव और सुझाव किये गये। अकुम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप जैन, गोदरेज ग्रुप से राकेश स्वामी, टेक्योन ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नमन गांधी और जेबीएम ग्रुप के अध्यक्ष बी.बी. गुप्ता द्वारा अपने-अपने उद्यमशीलता सेक्टर से संबंधित विचार और अनुभव साझा करते हुए उत्तराखण्ड को एक आकर्षक निवेश स्थल के रूप में बताया तथा हर किसी ने उत्तराखण्ड में उद्यम स्थापित करने में विशेषकर फार्मा, ऑटो, हेल्थ एवं वेलनेस, हॉस्पिटल, आयुर्वेद, एरोमा, फुटलूज इंडस्ट्री आदि क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने में विशेष रुचि दिखायी। निवेशक उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पुरानी नीतियों में किये गये बदलाव, समय के अनुकूल कई सैक्टर्स में लायी गयी अभिनव पॉलिसी, सस्ता, मेहनतकश और समर्पित स्किल्ड श्रमबल, शुद्ध आबोहवा और यहाँ के लोगों में आत्मीयता से प्रभावित दिखे।

सेक्टोरल सेशन के अंतिम चरण में महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा द्वारा सेशन में उपस्थित उद्यमियों, निवेशकों और उनके प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।आपको बता दें कि इन्वेस्टर्स समिट में 44 हज़ार करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए गए हैं। मुख्य रूप से Ev (इलेक्ट्रिक व्हेकल्स), रियल एस्टेट, हेल्थ केयर, हायर एजुकेशन, पर्यटन, फिल्म, आयुष और ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश के लिए एमओयू किए गए।

खेल महाकुम्भ 2023 में दिखा पहाड़ का दम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , 9 दिसम्बर , युवा कल्याण एवं प्रा०र०द० विभाग के तत्वाधान में खेल महाकुम्भ 2023 के अन्तर्गत जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन मनोज सरकार स्पोर्टस स्टेडियम रुद्रपुर में किया गया। जिसमें विभिन्न विकास खण्डों से विजेता प्रतिभागियों द्वारा एथलेटिक्स, बैडमिन्टन एवं टेबिल टेनिस अण्डर-14, 17 एवं 19 (बालक वर्ग) द्वारा प्रतिभाग किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अशोक कुमार जोशी, अपर जिला अधिकारी (वित्त/राजस्व) की अध्यक्षता में किया गया।

प्रतियोगिता में श्री गुरूनानक बालिका इण्टर कालेज, रूद्रपुर की छात्राओं द्वारा बैण्ड की शानदार प्रस्तुती की गयी साथ ही आ० ना० झा० राजकीय इण्टर कालेज, रूद्रपुर के एन०सी०सी० छात्रों द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गयी। इसमें श्री सनातन धर्म कन्या इण्टर कालेज रूद्रपुर की छात्राओं द्वारा शानदार स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि द्वारा गुब्बारे छोड़कर तथा खेल मशाल जलाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को लगन तथा अनुशासन में रहकर खेलने हेतु प्रेरित किया। इसमें मुख्य अतिथि के समक्ष 800 मीटर दौड़ अण्डर-17 (बालक वर्ग) का शुभार शुभारम्भ किया गया तथा पुरुस्कार वितरण भी किया गया। जिला युवा कल्याण एवं प्रा०र०द० अधिकारी भूपेन्द्र सिंह रावत द्वारा खेलकूद कार्यकमों की जानकारी दी गयी तथा सभी का आभार प्रकट किया। प्रतियोगिता में उपस्थित सभी अतिथियों को बैच लगार व टोपी पहनाकर कार्यकम की सदस्यता भी ग्रहण कराई गई।कार्यक्रम में डी०एस० राजपूत, मुख्य शिक्षा अधिकारी, ऊधम सिंह नगर उपस्थित रहे। मंच का संचालन हरीश दनाई, धीरज पान्डेय एवं संजीव बुधौरी जी द्वारा किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता के परिणाम

अण्डर-14 (बालक वर्ग) 60 मीटर दौड़ - प्रथम-नितिन आर्या (रूद्रपुर), द्वितीय-शिवम कुमार (जसपुर), तृतीय-हिमांशु पाल (काशीपुर) 600 मीटर दौड़ में प्रथम-हिमांशु पाल (काशीपुर), द्वितीय-उज्जवल भट्ट (खटीमा). तृतीय-राजू (बाजपुर)। लम्बी कूद में प्रथम-नितिन आर्या (रुद्रपुर), द्वितीय-अभिषेक (सितारगंज), तृतीय-दिव्यांशु (खटीमा)। टैबिल टेनिस में एकल वर्ग- प्रथम-बासु चावला (रुद्रपुर). द्वितीय श्लोक (काशीपुर) तृतीय-संचित (गदरपुर) युगल वर्ग-प्रथम-कनिष्क सलूजा एवं आरव अरोरा (रुद्रपुर)। द्वितीय-मानव सिंह (गदरपुर) एवं तुषार कुमार आर्या (काशीपुर) तृतीय- सोनू पोखरिया एवं भावेश सिंह (खटीमा)। अण्डर-17 (बालक वर्ग) 100 मीटर दौड़ - प्रथम निष्कर्ष भटेजा (गदरपुर), द्वितीय- राजू सरोज (बाजपुर), तृतीय-मनीष विश्वास (सितारगंज)। 200 मीटर में दौड़ प्रथम- अंशु कुमार (रूद्रपुर), द्वितीय तृतीय- मनीष विश्वास (सितारगंज) विशाल सैनी (जसपुर), 800 मीटर दौड़ में प्रथम धीरज सिंह (रुद्रपुर), द्वितीय तृतीय- पंकज कुमार (बाजपुर) विनित कुमार (जसपुर),1500 मीटर दौड में प्रथम धीरज सिंह (रुद्रपुर), द्वितीय- सक्षम प्रताप (काशीपुर), तृतीय- राम बाबू (खटीमा)

लम्बी कूद में प्रथम- राजू सरोज (बाजपुर), द्वितीय- विनय राणा (सितारगंज), तृतीय-निष्कर्ष भटेजा (गदरपुर) गोला फेंक में प्रथम-वेदाना कन्याल (खटीमा), द्वितीय- हर्ष चौहान (जसपुर), तृतीय- राणा सरोज (बाजपुर) अण्डर-19 (बालक वर्ग) 100 मीटर दौड़-प्रथम रोहन सिंह (खटीमा), द्वितीय चेतन सिंह (गदरपुर), तृतीय-गौ० समीर (जसपुर), 200 मीटर दौड़ में प्रथम रोहन सिंह (खटीमा), द्वितीय- बिट्टू राजपूत (बाजपुर), 800 मीटर दौड़ तृतीय तरंग गिरी (जसपुर) - प्रथम मनदीप कुमार (रुद्रपुर), द्वितीय-तुषार चौहान (जसपुर), तृतीय- मनोज (बाजपुर) 1500 मीटर दौड़ - प्रथम- सौरभ रावत (रुद्रपुर), द्वितीय-सूरजपाल (बाजपुर),तृतीय- अंश प्रजापति (काशीपुर) लम्बी कूद में प्रथम- चेतन सिंह (गदरपुर), द्वितीय-मौ० समीर (जसपुर),गोला फेंक में तृतीय- अनुज कुमार (काशीपुर) प्रथम - विशाल सिंह (बाजपुर), द्वितीय-सुमित मेहता (रुद्रपुर) तृतीय-योगेश कुमार (जसपुर)

स्ट्रीट क्राइम अपराधी जेल जाने को हो जाएं तैयार : अजय सिंह, एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- मामा -भान्जे ने घटना में प्रयोग की बाईक जिक्सर, दून पुलिस ने मारा सिक्सर
- रायपुर में बुजुर्ग महिला से कुंडल लूट का दून पुलिस ने किया खुलासा
- भियुक्त पूर्व में भी थाना पटेल नगर से अनैतिक देह व्यापार में जा चुका है जेल

देहरादून , 9 दिसंबर , बीते दिनों प्रत्यक्ष गोयल निवासी लाडपुर द्धारा उनकी माता रेखा गोयल उम्र- 62 वर्ष के कान का कुंडल दो अज्ञात बाईक सवारों द्धारा लाडपुर रोड़ पर लूट कर ले जाने सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र थाना रायपुर में दिया गया, जिस पर तत्काल धारा 392 ipc में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना उप निरीक्षक रविन्द्र सिहं नेगी के सुपुर्द की गई।बुजुर्ग महिला के साथ हुई घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा अभियोग के अनावरण तथा अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये तथा थानाध्यक्ष रायपुर के नेतृत्व में 03 पुलिस टीम गठित की गयी ।

पुलिस टीम द्वारा की गई कार्रवाई

गठित पुलिस टीम में से प्रथम टीम द्धारा घटनास्थल के आस पास व घटनास्थल पर आने व जाने वाले मार्गों पर लगे करीब 85 सीसीटीवी कैमरो को चेक किया गया। द्धितिय टीम द्धारा पूर्व में लूट के अपराध में जनपद में गिरफ्तार अभियुक्तगणों का सत्यापन किया गया तथा तृतीय टीम द्वारा बाहरी जनपदों राज्यों के लूट के अपराध में गिरफ्तार व्यक्तियों की जानकारी व घटना के आसपास मौजूद व्यक्तियों से पूछताछ की गयी।

घटनास्थल के आसपास के फुटेजों का अवलोकन करने पर एक संधिक्त बाईक घटना के समय घटनास्थल पर आते व बुजुर्ग महिला के आसपास घूमते तथा घटना के पश्चात तेजी से निकलते हुए दिखाई दी। उक्त संदिग्ध मोटर साईकिल को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रेस करने पर कई स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज खराब होने के कारण घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल की आने व जाने की अन्य जानकारी प्राप्त नहीं हो

पायी। जिस पर घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल का गहनता से विश्लेषण कर उसके मॉडल को विभिन्न मोटर साईकिल डीलरों को दिखाने पर महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि उक्त मोटर साईकिल सुजुकी कम्पनी की जिक्सर मॉडल है, जो दो वर्ष पूर्व ही लॉच हुयी थी।

पुलिस टीम द्धारा जनपद देहरादून, हरिद्धार व सहारनपुर उ0प्र0 से विगत 06 माह में उक्त मॉडल व रंग की बिक्री की गयी मोटर साईकिल की जानकारी प्राप्त की गयी, जिस पर जनपद देहरादून में विगत 06 माह में 04 जनपद हरिद्धार में 06 व जपनद सहारनपुर में 12 मोटर साईकिल बिक्री होना पाया गया। सभी मोटर साईकिलों के मालिकों का पता व मोबाईल नम्बर प्राप्त कर पता कर पुलिस टीम द्धारा जानकारी की गयी तो पाया गया कि सहस्त्रधारा क्रासिंग स्थित सुजुकी मोटर साईकिल शोरूम से एक जिक्सर बाईक शिवांग रावत निवासी विष्णु पैलेस लाईब्रेरी रोड़ मसूरी द्धारा खरीदी गयी है,

उक्त सम्बन्ध में थाना मसूरी की सहायता से शिवांग से जानकारी करने पर उसके द्वारा बैंक की किस्त न चुका पाने के कारण अपनी मोटर साईकिल जिक्सर संख्या UK07FL-8626 को अपने दोस्त स्माईल अल्बी पुत्र समीम निवासी नगीना रोड़ कोतवाली देहात उ0प्र को एक माह पूर्व देने के संबंध में बताया गया। जिसकी फोटो शिवांग से प्राप्त कर सीसीटीवी फुटेज में आये बाईक चालक से मिलान करने पर स्माईल अल्वी का घटना में संलिप्त होना पाया गया। जिस पर पुलिस टीम द्धारा उनके निवास नगीना रोड़ कोतवाली देहात में दबिश दी गयी किन्तु वह फरार मिला तथा उसका फोन बन्द मिला।

पुलिस द्वारा किये गए अथक प्रयास से घटना में शामिल अभियुक्तो 1- स्माईल अल्बी पुत्र समीम निवासी नगीना रोड़, कोतवाली देहात, उ0प्र उम्र- 24 वर्ष तथा उसके मामा अकरम अली पुत्र मोहब्बत अली वार्ड न0 21 मोहल्ला जाफ्ता गंज बिट्टन वाली मस्जिद के पास, थाना नजीबाबाद, जिला बिजनौर, उ0प्र को घटना में प्रयुक्त वाहन संख्या UK07FL8626 जिक्सर सुजुकी वाहन के साथ 06 नम्बर पुलिया से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से बुजुर्ग महिला से लूटा कुंडल बरामद किया गया। दोनों के द्वारा लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया।

208 महिलाओं को उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया

- बनियावाला आर्केडिया ग्रांट और यमुना कॉलोनी में संकल्प यात्रा कार्यक्रम

देहरादून , 9 दिसंबर , विकसित भारत संकल्प यात्रा का क्रम देहरादून शहर के अलग-अलग स्थानों पर जारी है।शुक्रवार को देहरादून के आर्केडिया ग्रांट और यमुना कॉलोनी में यात्रा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में बाल विकास, ग्रामीण, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें।

संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को मानीनय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया। बनियावाला और यमुना कॉलोनी में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में योजनाओं से वंचित कई लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। दोनों स्थानों पर मुफ्त चिकित्सा शिविर में 336 लोगों का परिक्षण किया गया। 208 महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया। बल विकास परियोजना से 12 महिलाओं को कार्यक्रम में जोड़ा गया। 30 लोगों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोड़ा गया और 25 लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना से इस दौरान जोड़ा गया। यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कट आउट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

इस कट आउट के साथ लोग यादगार के तौर पर तस्वीर भी ले रहे हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से युक्त बुकलेट भी वितरित की जा रही हैं।